श्री दिगम्बर जैन स्वाध्यायमंदिर ट्रस्ट, सोनगढ अंतर्गत

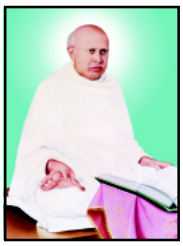

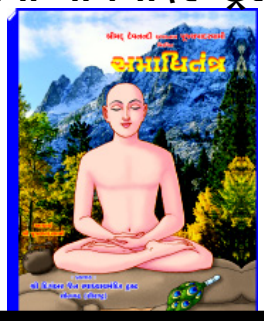

समाधितंत्र अध्ययन वर्ष

सौजन्य : मातुश्री ललिताबेन व्रजलाल शाह परिवार, जलगांव

प्रश्नपत्र क्रमांक - १ (कुल मार्कस–५०)

अभ्यासक्रम : **समाधितंत्र : गाथा १ से १५**

परीक्षार्थीका नाम: ..... उम्र वर्ष : .....

मंडलका नाम : ..... गाँवका नाम : .....

फोन नंबर : ..... ता. १३-४-२०१८

सूचना : (१) प्रश्नोंके उत्तर समाधितंत्रके आधार पर देने होंगे।

प्रश्न-१ : नीचे दिये गये प्रश्नोंमेंसे कोई भी बारह पश्नोंके उत्तर दिजीये। (दो लाईनमें) **२४**

(१) यह समाधितंत्र शास्त्रके रचनाकार एवं टीकाकार कौन है?

(२) यह शास्त्रके टीकाकारके मंगलाचरणमें किनको नमस्कार किया गया है? उनका स्वरूप क्या है? टीकाकारने कौनसी प्रतिज्ञा की है?

(३) ग्रंथकार आचार्यदेव मंगलाचरणमें किसे और क्या कहना चाहते हैं?

(४) अर्हंत भगवान कैसे हैं, उनको नमस्कार क्यों किया गया है?

(५) अर्हंत भगवानकी वाणी कैसी है?

(६) इस ग्रंथमें शिव, विधाता, सुगत, विष्णु आदि विशेषण किसके लिये दिये गये हैं?

(७) परमात्माको नमन करके आचार्यदेव किसका स्वरूप कहना चाहते हैं? कौनसे साधन द्वारा?

(८) बहिरात्मापनेको त्याग कर किसका उपाय करना चाहिये? उससे क्या अंगीकार होता है?

(९) इस ग्रंथमें कौनसे दृष्टांतसे अंतरात्माको बहिरात्मपना एवं परमात्मपना कहा है?

(१०)परमात्माके भिन्न भिन्न नाम बतलाईये ।

(११)बहिरात्मा, किससे भूलकर किसके अस्तित्वसे अपना अस्तित्व मानकर किसमें आत्मबुद्धि करता है?

(१२)अंतरात्मा जीव कौनसे गुणस्थानमें होते हैं?

(१३)बहिरात्माको किस कारणसे स्त्री-पुत्रादिमें विभ्रम वर्तता है?

प्रश्न-२ : नीचे दिये गये प्रश्नोंके उत्तर दिजीये । (पांच-छह लाईनमें) **१२**

(१) पंच परमेष्ठीमें प्रथम अरिहंतदेव है फिर भी उनके बदले यहाँ सिद्ध भगवानको प्रथम नमस्कार क्यों किया?

(२) बहिरात्मा किसे कहते है? यह ग्रंथके आधारसे समझाईये ।

(३) मूढ़ बहिरात्मा चारों गतिमें देहमें रहे हुए आत्माको क्या मानता है?

प्रश्न-३ : रिक्त स्थानकी पूर्ति किजीये । **५**

(१) बहिरात्माको ..... कहते हैं ।

(२) अज्ञानी जीवको ..... संस्कार दृढ़ होते हैं ।

(३) संसारमें दुःखका मूल कारण ..... है ।

(४) ..... जीवको पर्यायमें अहंबुद्धि होती है ।

(५) अज्ञानी जीवको ..... देखकर राग-द्वेष होते हैं ।

प्रश्न-४ नीचे दिये गये किसी भी एक विषय पर निबंध लिखे । (बीस लाईन) **९**

(१) बहिरात्मा एवं अंतरात्माका स्वरूप विस्तारसे समझाईये ।

(२) परमात्माका स्वरूप विस्तारसे समझाईये ।

नोंध : कृपया प्रश्नपत्र-१ के उत्तरपत्र ता. ३०-५-२०१८ तक सोनगढ़ पहुँचे इस प्रकारसे भेजे ।